30 वर्ष से बंद पड़े बेगुं आर्य समाज का पुनः संचालन

सन् 1985 तक श्री बालकिशन जी आर्य व श्री यज्ञदत्त जी चित्तौड़गढ़ जिले की बेगुं तहसील में बस स्टेण्ड के पास स्थित आर्यसमाज की गतिविधियों का संचालन कर रहे थे लेकिन आसामाजिक तत्वों द्वारा व्यवधान पैदा करने कारण विगत 30 वर्षों से आर्यसमाज की सारी गतिविधियाँ ठप्प हो गई थीं व बालकिशन जी आर्य घर पर ही यज्ञ कर रहे थे|

बालकिशन जी के पुत्र श्याम सुंदर जी को आर्यसमाज की निष्क्रियता मन ही मन कटोच रही थी| उन्होंने आर्य प्रतिनिधि सभा जयपुर से सम्पर्क किया| आर्य प्रतिनिधि सभा ने आर्य वीर दल के कार्यकारी संचालक, श्री देवेन्द्र शास्त्री, को इस समस्या के समाधान की जिम्मेदारी सौंपी| इन्होने 13-सितम्बर'2015, को बेगुं आने का कार्यक्रम बनाया व आर्य प्रतिनिधि सभा उदयपुर क्षेत्र के उपप्रधान ओमप्रकाश आर्य जो की मंत्री आर्य समाज रावतभाटा, जिला चित्तौड़गढ़ हैं, को भी सूचित किया|

13-सितम्बर, रविवार को ओमप्रकाश आर्य, रमेश चन्द्र भाट, कोषाध्यक्ष, आर्य समाज रावतभाटा के साथ वैदिक साहित्य व ध्वनि विस्तारक यंत्र लेकर बेगुं पहुचें व देवेन्द्र शास्त्री जी, मांडलगढ, जि. भीलवाड़ा से आये| बेगुं बस स्टेण्ड पर पता लगा कि बालकिशन जी के पौत्र विकास गर्ग, पतंजलि योग केंद्र के संचालक हैं, उनसे सम्पर्क हुआ| देखरेख के अभाव में आर्य समाज भवन अतिक्रमण का शिकार हे, अभी सिर्फ एक कमरा आर्य समाज के पास हे| ओमप्रकाश आर्य के निर्देशानुसार विकास गर्ग सामान की व्यवस्था करने गये व ओमप्रकाश जी ने पड़ोस की दुकान के मालिक से आग्रह कर ध्वनि विस्तारक यंत्र के लिये विधुत सम्पर्क ले लिया व बेगुं आर्य समाज के भवन में पथिक जी के वैदिक भजनों की गूंज पुनः सुनाई देने लगी|

देवेन्द्र शास्त्री व ओमप्रकाश आर्य ने यज्ञ सम्पन्न करवाया जिसमे यज्ञदत्त जी, बालकिशन जी आर्य, देवकीनंदन आर्य, श्यामसुन्दर गर्ग, रमेश चन्द्र भाट, विकाश व विशाल गर्ग ने आहुतियाँ दीं| यज्ञोपरांत आर्य समाज बेगुं को सुचारुरूप से संचालित करने हेतु विचार-विमर्श हुआ| सर्व प्रथम कार्यकारी समिति का गठन किया गया जिसमे देवकीनंदन आर्य को प्रधान, विकाश गर्ग को मंत्री, श्यामसुन्दर जी को कोषाध्यक्ष, विशाल गर्ग को उप-मंत्री व यज्ञदत्त जी और बालकिशन जी आर्य को संरक्षक नियुक्त किया गया|

ओमप्रकाश आर्य व रमेश चन्द्र भाट ने, आर्यसमाज रावतभाटा की तरफ से वैदिक साहित्य जिसमे संशिप्त सत्यार्थप्रकाश व ओमप्रकाश आर्य द्वारा लिखित पुस्तकें, (आर्यसमाज एक परिचय, वैदिक रश्मि, सत्यार्थ सुगंध, अमृतकलश, वेदांजलि, अर्पणा, आर्यसमाज सत्संग गुटका) और इंदौर से प्रकाशित वैदिक संसार की कुछ प्रतियाँ भेटं करी| सभी उपस्थित आर्यो ने मिलकर ``ओ३म्'' के झंडे को पुनः बेगुं आर्य समाज में फहरा दिया|

रमेश चन्द्र भाट , कोषाध्यक्ष,
आर्यसमाज रावतभाटा, वाया कोटा (राजस्थान)
चल भाष +91-9413356728